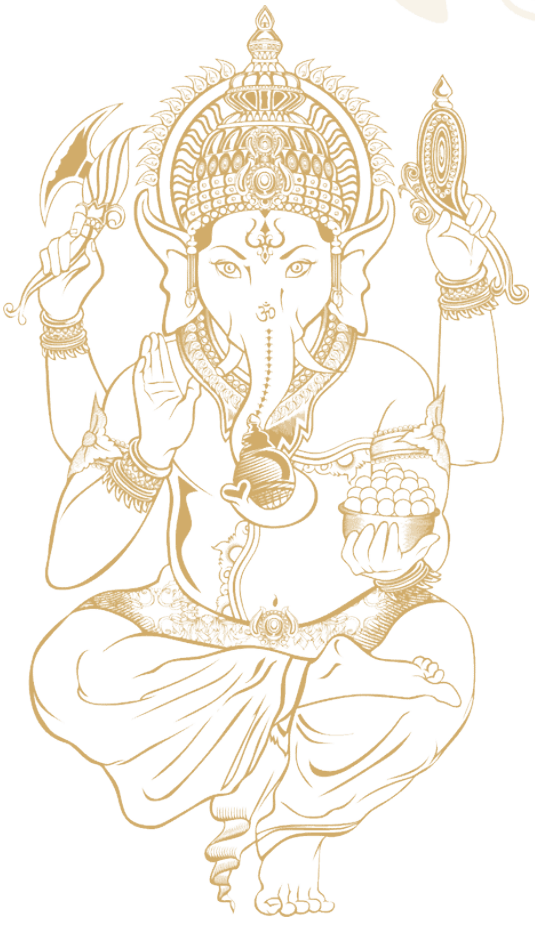

Vivek goyal

06 Dec 1969

03:20 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121693002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/12/1969**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:20:00 घंटे**
इष्ट	20:49:27 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:58:52 घंटे
वेलान्तर	00:09:01 घंटे
साम्पातिक काल	19:58:54 घंटे
सूर्योदय	07:00:13 घंटे
सूर्यास्त	17:23:57 घंटे
दिनमान	10:23:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:40:21 वृश्चिक
लग्न के अंश	17:07:13 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	17:07:13	451:44:48	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	20:40:21	01:00:56	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	10:43:41	13:42:40	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			मक	29:43:17	00:44:34	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	धनु	01:42:50	01:32:39	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	04:47:07	00:10:51	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	08:49:22	01:15:26	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि	व		मेष	09:20:49	00:02:59	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	23:31:21	00:07:37	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:31:21	00:07:37	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	14:41:21	00:02:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
नेप			वृश्चि	05:34:41	00:02:12	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
प्लूटो			कन्या	03:47:33	00:00:48	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			मक	04:12:29	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:26:16

लग्न-चलित

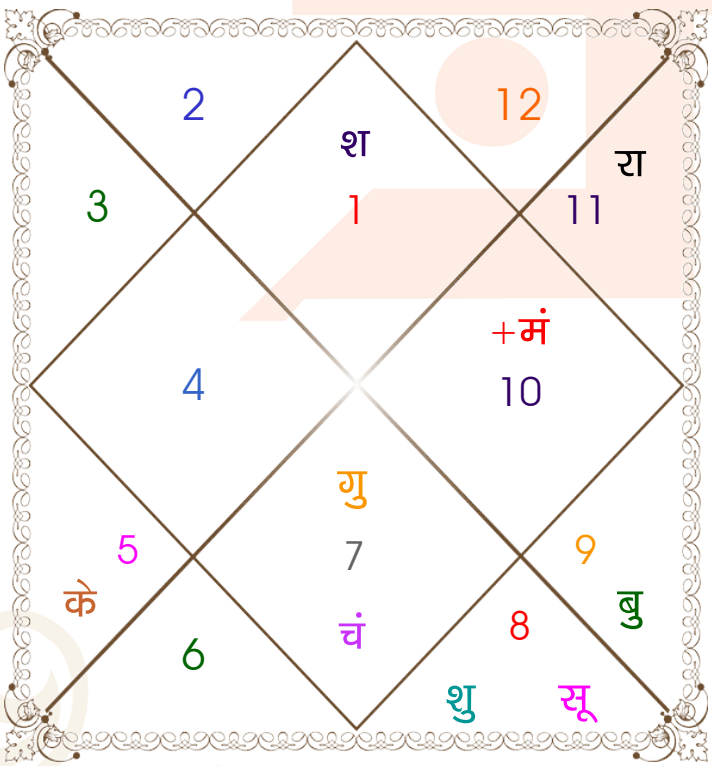

चन्द्र कुंडली

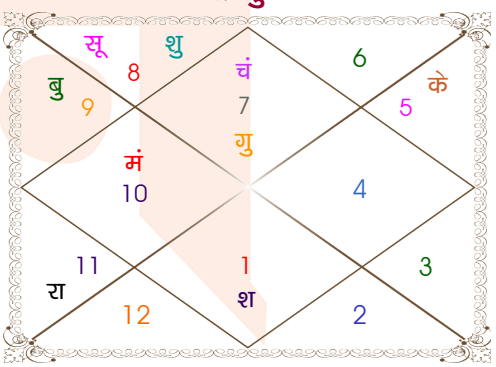

नवमांश कुंडली

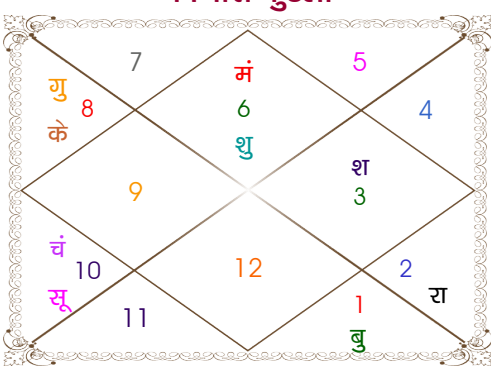

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 6 मास 6 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/12/1969		13/06/1982		13/06/1998		13/06/2017		13/06/2034	
13/06/1982		13/06/1998		13/06/2017		13/06/2034		13/06/2041	
	00/00/0000	गुरु	31/07/1984	शनि	16/06/2001	बुध	09/11/2019	केतु	09/11/2034
	06/12/1969	शनि	12/02/1987	बुध	24/02/2004	केतु	06/11/2020	शुक्र	09/01/2036
शनि	25/05/1972	बुध	19/05/1989	केतु	04/04/2005	शुक्र	07/09/2023	सूर्य	16/05/2036
बुध	13/12/1974	केतु	25/04/1990	शुक्र	03/06/2008	सूर्य	13/07/2024	चंद्र	15/12/2036
केतु	31/12/1975	शुक्र	24/12/1992	सूर्य	16/05/2009	चंद्र	12/12/2025	मंगल	13/05/2037
शुक्र	31/12/1978	सूर्य	13/10/1993	चंद्र	16/12/2010	मंगल	10/12/2026	राहु	01/06/2038
सूर्य	25/11/1979	चंद्र	12/02/1995	मंगल	25/01/2012	राहु	28/06/2029	गुरु	08/05/2039
चंद्र	26/05/1981	मंगल	18/01/1996	राहु	30/11/2014	गुरु	04/10/2031	शनि	16/06/2040
मंगल	13/06/1982	राहु	13/06/1998	गुरु	13/06/2017	शनि	13/06/2034	बुध	13/06/2041

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/06/2041		13/06/2061		13/06/2067		13/06/2077		13/06/2084	
13/06/2061		13/06/2067		13/06/2077		13/06/2084		00/00/0000	
शुक्र	12/10/2044	सूर्य	30/09/2061	चंद्र	13/04/2068	मंगल	09/11/2077	राहु	24/02/2087
सूर्य	13/10/2045	चंद्र	01/04/2062	मंगल	12/11/2068	राहु	27/11/2078	गुरु	19/07/2089
चंद्र	13/06/2047	मंगल	07/08/2062	राहु	14/05/2070	गुरु	03/11/2079	शनि	06/12/2089
मंगल	12/08/2048	राहु	02/07/2063	गुरु	13/09/2071	शनि	12/12/2080		00/00/0000
राहु	13/08/2051	गुरु	19/04/2064	शनि	13/04/2073	बुध	09/12/2081		00/00/0000
गुरु	13/04/2054	शनि	01/04/2065	बुध	12/09/2074	केतु	08/05/2082		00/00/0000
शनि	13/06/2057	बुध	05/02/2066	केतु	13/04/2075	शुक्र	08/07/2083		00/00/0000
बुध	13/04/2060	केतु	13/06/2066	शुक्र	12/12/2076	सूर्य	12/11/2083		00/00/0000
केतु	13/06/2061	शुक्र	13/06/2067	सूर्य	13/06/2077	चंद्र	13/06/2084		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 5 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह ज्ञात हो रहा है कि आपका जन्म मेष लग्न में अर्थात् जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काणा में हुआ था। परिणामस्वरूप यह स्पष्ट हो रहा है कि आप महान भाग्यशाली हैं। प्रसन्नता का विषय यह है कि जब कभी भी संयोग प्राप्त हो मुख्य रूप से लाटरी के टिकट प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त करें ताकि आप शीघ्र ही धनवान बन सकें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आप निर्विध्न आराम देह एवं आनंददायक जीवन व्यतीत करने के लिए प्रर्याप्त (धन) आय के अतिरिक्त साधन प्राप्त करें ताकि आपका सुखमय जीवन विलास-प्रियता से व्यतीत हो सके।

आप शरीर से दुबले (कृशकाय) कद के मांसल एवं हृष्ट-पुष्ट शरीर वाले संयमी प्राणी हैं। आपकी उन्नत ललाट, सुंदर और आकर्षक आंखे आपके व्यक्तित्व को अपेक्षाकृत सौंदर्य प्रदान कर रहा हैं। यह संभव है कि आपके मस्तक पर कोई पुराने चोट या घाव के चिह्न हों। आपकी संपूर्ण व्यक्तित्व सुंदर और आकर्षक है, जो मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति सुंदरता का केंद्र है। यह संभव है कि आप कामी नारी के आकर्षण में दिशाहीन होकर अपने शयन कक्ष के अतिरिक्त कहीं बाहर कामोत्तक आनंद प्राप्ति का पता लगाकर आनंद ले तो अन्य नारी के साथ संभोग के परिणाम स्वरूप यौन संबंधी रोग अर्थात् यौन रोग का शिकार हों। ऐसी संभावना है।

आप अपनी वाचाल प्रवृत्ति के प्रभाव से किसी भी विषय पर अपना मंतव्य प्रकट कर देते हैं, जो आवश्यक नहीं है। यह प्रवृत्ति आपकी मेधावीपना की औसत से अधिक है। फिर भी सदैव ही आप बात-चीत कर के अपना मुंह बंद नही रखते लगातार बोलते ही रहते हैं, जो आपके संपर्क में आता है। वह आपको अधिक सामान्य व्यक्ति समझता है। आपको पूर्णरूपेण अधिकाधिक मदद करता है। आपकी मित्रमंडली आपके लाभ के लिए धन का भुगतान भी करते हैं। अर्थात् मित्र से आपको आर्थिक लाभ होता है।

आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हैं कि आप में नेतृत्व की क्षमता विद्यमान है तथा आप एक अच्छे नेता के गुणों से पूर्ण हैं। आप अपनी योजना के संबंध में किसी अन्य की विचारों का कोई महत्व नहीं देतें, वास्तव में आप अपने ही विचारों और निर्णयों को सर्वोपरि समझते हैं। परंतु किसी-किसी विषय में आप भ्रमित होकर किसी अन्य उपाय को अपनाते हैं। परंतु आप बिना किसी बड़ी बाधाओं के भी पार कर लेते हैं। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि आप में पूर्ण आत्म शक्ति विद्यमान हैं, जिसके प्रभाव से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परंतु आप जब कोई जोखिम मोल लेंगे तब साधारण रूप से किसी प्रकार से घायल होने के प्रति सर्तकता बरतना होगा। विशेषतया दुर्घटना के कारण सिर में चोट न लगे, इसके लिए आपको पूर्णरूपेण सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि यह दुर्घटना संभाव्य है। यदि आप सतर्क रहें तो संभावित दुर्घटना से सुरक्षित रहेंगे। क्योंकि आप कम से कम समय बचा कर भी स्वास्थ्य रक्षा के लिए अत्यधिक उत्साहित एवं अभिलाषित रहते हैं। आपकी बुद्धि और शरीर किसी भी दबाव से स्थिर रहता है।

अतएव आपके लिए यह उचित है कि आप अपनी तनाव मुक्ति हेतु यथा संभव विश्राम प्राप्त कर यथेष्ठ शयन करें। अन्यथा आप नस की गडबड़ी अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग से ग्रसित हो जाएंगे। आपके लिए यह पूर्व सूचना है कि आप स्वास्थ्य रक्षा के लिए सभी संभव उपाय करे अर्थात् सचेत रहें, तथा समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह डॉक्टर से प्राप्त कर ही संयमित जीवन बिताएं। सामान्य स्वास्थ्य को उत्तम रखने के लिए आपको मद्य एवं मंसाहार से बच कर रहना चाहिए। आपको शाकाहारी भोजन का सेवन पर्याप्त मात्रा में करनी चाहिए। आप पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्ति संबंधी वार्तालाप करने में विश्वास रखते हैं तथा धन प्राप्ति के सुअवसर प्राप्त करना चाहते हैं। आपको निम्नांकित निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक से आप आकर्षित हैं। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नही है।

आपके लिए लाल, स्वर्णिम एवं पीला रंग भाग्यशाली प्रमाणित होगा।